पत्रिका PLUS Weekend

Jaipur . Sunday
29/10/2017

RAJASTHANPATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

Square 26 citylite 27 screenplay 28

MUSIC TODAY

सितार-फ्लूट जुगलबंदी
सुबह 6 से 7 बजे

डिविनिटी : पं. छन्नू लाल मिश्र

सुबह 7 से 8 बजे

अ डेथ ऑफ म्यूजिक : पैनल
सुबह 9:45 से 10:15 बजे

माय म्यूजिक, माय लाइफ : सोनू निगम

सुबह 10:30 से 11:15 बजे

कीनोट : ग्लोबल वॉइस ऑफ म्यूजिक
सुबह 11:30 से 12:15 बजे

द समिट ट्रिब्यूट : गजल
दोपहर 12:30 से 1:30 बजे

द एंड नोट : पाइपर्स
दोपहर 1:30 से 3 बजे

City **LIVE** .... पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन इंडिया म्यूजिक समिट में फनकारों ने दी परफॉर्मेंस

सुरीले शहर में उस्तादों की संगत

पिछले दो दिनों से कोयलें थोड़ी व्यस्त हैं, सुबह जल्दी जागकर वो संगीत की धुनों को हाईवे की हद से निकालकर जयपुर की जवान होती सर्दी में घोल जाती हैं। फिर वापस एक नया सुर लेने निकल पड़ती हैं। पिछले दो दिनों से जहां सच्चे सुर एक छांव में बैठकर गुफ्तगू कर रहे हैं, जहां शास्त्रीय और पाश्चात्य एक साथ हंसी-ठिठोली कर रहे हैं, जहां ठुमरी ठुमक आती हुई दिखाई दे रही है, कुछ ऐसा ही माहौल पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट में नजर आ रहा है। होटल फेयरमॉन्ट में आयोजित तीन दिवसीय संगीत की इस भव्य महफिल का जयपुर पहली बार गवाह बन रहा है। संगीत रसिकों और इस कला की समझ परखने जुटे श्रोताओं में संगीत की दीवानगी का आलम दूसरे दिन शनिवार को भी बरकरार रहा। सुबह बजे से संगीत के ये सुर अजय प्रसन्ना के फ्लूट मेडिटेशन से शुरू हुए। बीबी अशुप्रीत कौर ने गुरबानी प्रस्तुत कर श्रोताओं को आत्मा से परमात्मा का मिलन कराया। शाम होते होते संगीत का यह भव्य समारोह विचारों के आदान प्रदान और संगीतमयी प्रस्तुतियों से परवान चढ़ता रहा।

सुबह छह बजे से अजय प्रसन्ना ने बांसुरी से बिखेरा सुरों का माधुर्य, रात तक अलग-अलग विधाओं से बही संगीत की रसधारा

इसलिए नहीं फेमस : कौशिकी

'वुमन इन म्यूजिक' सेशन में कौशिकी चक्रवर्ती, बियांका गोम्ज, वसुंधरा और अमित खन्ना ने इंटरेक्शन किया। कौशिकी ने कहा कि लोग कहते हैं कि ये खूबसूरत दिखती है तो फेमस होना ही है, लेकिन इसमें मेरा कोई क्रेडिट नहीं है। यदि मैंने संगीत का हुनर नहीं सीखा होता तो शायद ऐसा संभव नहीं होता। कई बार मुझसे यह सवाल पूछा जाता है कि आप फैमिली और वर्क लाइफ में कैसे बैलेंस रखती हैं, लेकिन मैंने कभी यह सवाल पिता से होता हुआ नहीं देखा। मेरा मानना है कि संगीत आपको इन सब बातों को सहन करने की ताकत देता है। ये आपको परे ले जाता है। कौशिकी ने कहा कि लड़कियां संगीत की तालीम तो ले रही हैं, पर प्रोफेशनल सिंगिंग में नहीं आ रही हैं। दरअसल, उनके लिए फ्रेंडली माहौल तैयार करना होगा। वसुंधरा ने कहा कि कई बार मेरे जैज सिंगिंग को लेकर सवाल किया जाता है, पर यदि महिलाएं पहले से बनाई धारणाओं से दूर रहें तो इन बातों पर काबू पाया जा सकता है। बियांका ने कहा कि महिलाएं म्यूजिक फील्ड में टेक्निकल में भी काम कर सकती हैं, बशर्ते हमें उन पर विश्वास करना होगा।

खानदानी होने के फायदे-नुकसान

'लिविंग विद् अ लीजेंड' सेशन में नमिता देवीदयाल के साथ कन्वर्सेशन में उस्ताद शुजात खान ने कहा कि बचपन में गोल्डन स्पून मिला, लेकिन उस पर करेला या चीनी चढ़ी है यह किसी ने नहीं देखा। जब आप किसी लीजेंड के बेटे होते हैं तो आपसे बहुत उम्मीदें होती हैं। इस प्रेशर को झेलना मुश्किल होता है। हालांकि इसके फायदे-नुकसान दोनों हैं। मुझे रात के 9 बजे रियाज के लिए उठा दिया जाता था। रात 10 से सुबह 5 बजे तक रियाज किया। हालांकि पिता विलायत खान के सिर पर हाथ होने का एडवांटेज मिला, इसे नहीं नकारता, लेकिन पिता को मालूम था कि जब बाहर जाएगा तो तीन साल के बेटे को 30 साल की उम्र का गाना सुनाना पड़ेगा। यदि मैं पिता की कार्बन कॉपी बन जाता तो शायद कोई सुनने वाला नहीं मिलता, पिता मानते थे कि इंडिविजुअल एक्सप्रेशन जरूरी है। इसलिए मैं भैरवी बहुत कम बजाता हूं। पिता कहते थे कि शास्त्रीय संगीत में एक बात हमेशा याद रखना 'जो इसे समझे वो तुम्हारा गुलाम, जो न समझे तुम उसके गुलाम।' वहीं, 'इंडिया : द सोल ऑफ म्यूजिक' सेशन में भारत बाला रूबरू हुए।

गानों पर सेंसरशिप का मुद्दा उठा

20,000
फिल्मों को सर्टिफिकेट देता है सेंसर बोर्ड एक साल में...प्रसून

'म्यूजिक वी रोट' सेशन में गीतकार और सेंसर बोर्ड के चेयरमैन प्रसून जोशी, अमित खन्ना, गायिका राधिका चोपड़ा के बीच अश्लील और द्विअर्थी गानों पर सेंसरशिप का मुद्दा उठा। पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी ने श्रोताओं के बीच से यह सवाल किया तो प्रसून ने कहा कि सेंसर बोर्ड एक साल में 20 हजार फिल्मों को सर्टिफिकेट देता है। ऐसे में कोई भी ऑर्गेनाइजेशन एक हद तक ही काम कर सकती है। सिर्फ पुलिसिंग से काम नहीं हो सकता।

मुझे लगता है कि तहजीब किसी पर थोपी नहीं जा सकती। सोसायटी का कॉन्शस होना और ऐसे गानों का रिजेक्शन करना जिम्मेदारी बनती है। इस मौके पर राधिका ने कहा कि गीतकारों को उतना ही क्रेडिट मिलना चाहिए जितना संगीतकारों को। एक सच्चे श्रोता और संगीत की कद्र करने वाले लोगों को उनके नाम भी याद रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि फैयाज हाशमी की गजल फरीदा खानम की न कही जाए। अमित ने कहा कि साहिर ने लिरिसिस्ट का दर्जा बढ़ाया। उन्होंने डिमांड की कि म्यूजिक डायरेक्टर के बराबर पारिश्रमिक होना चाहिए। तब जाकर एक शुरुआत हुई और अब यह सिनेरियो बदल रहा है।

नेचर की तरह दिल तक...

की नोट सेशन में कर्नाटक म्यूजिक के जाने-माने कलाकार टीएम कृष्णा ने कहा कि म्यूजिक कला विधाओं का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिस तरह एक पेंटिंग या स्कल्प्चर को घंटे खड़े होकर निहारा जा सकता है, वैसे ही अच्छा म्यूजिक दिल की गहराइयों में उतर कर समा जाता है। म्यूजिक ह्यूमैनिटी से खास बनता है, साउंड के जरिए लोगों तक पहुंचना भी एक खूबी की तरह है। वैसे सभी तरह का म्यूजिक एक जैसा नहीं होता है, लेकिन यह नेचर की तरह लोगों के पास पहुंचता है। ह्यूमन माइंड एक्सपीरियंस के बाद म्यूजिक को रास्ता देता है और उसे एक माध्यम के जरिए मंच पर पेश करता है। वैसे बॉलीवुड हो या कोई भी वुड, अब तक मेलोडी के रस को कोई भी म्यूजिक डायरेक्टर असल में समझ नहीं पाया है। यह कास्ट बैटल, माइनॉरिटी बैटल की तर्ज पर या उस तरह यूज होता आया है। म्यूजिक में बदलाव की जरूरत नहीं है, लेकिन ट्रांसफॉर्मेशन को स्ट्रॉन्ग करने की जरूरत है।

नगालैंड का पारंपरिक संगीत

नगालैंड कंजर्वेटरी ऑफ म्यूजिक कॉइर ने नागालैंड के पारंपरिक संगीत को श्रोताओं की रूह तक पहुंचाया। लिपोक्मर जुदिर के नेतृत्व में कलाकारों ने नागा फोक मोटिफ्स पर आधारित आईजीह 34, फ्लावर ऑफ यूथ, सर्कल ऑफ लाइफ, तबला, साइलेंस माय सोल जैसे गीतों को सुरों में सुशोभित किया। लिपोक्मर ने कहा कि मैं ऐसी जगह पैदा हुआ जहां संसाधन नहीं थे। ग्रुप ने लाखों हैं दिलवाले...मेरी मातृभूमि जैसे गाने प्रस्तुत किए।

याद पिया की आए...

समिट में हुए पत्रिका प्रजेंटेड राशिद खान कॉन्सर्ट में क्लासिकल म्यूजिक की ऐसी रसधारा बही कि हर कोई उसमें डूबता नजर आया। उन्होंने राग मारवा में 'पिया मोरे अनन्त देश गिइबे' और उसके बाद गुरु के महत्व को दर्शाती बंदिश 'गुरु बिन ज्ञान नहीं पावे' सुनाकर दाद पाई। गिरिजा देवी को ट्रिब्यूट देते हुए उनकी प्रचलित बंदिश 'श्याम दीवाना' को आत्मीय भाव के साथ सुनाया। रूहानियत का अहसास करवाते हुए कलाकार ने 'उस गलियों में आना ना जाना...' सुनाकर माहौल में नया रंग डाल दिया। राग मिश्र पहाड़ी में ठुमरी 'बातों-बातों में बीत गई रात...' सुनाते हुए हर दर्शक में प्यार, अपनापन, लगाव और समर्पण का भाव जगा दिया। आखिर में उन्होंने राग मिश्र सडज में 'याद पिया की आए' को सुनाकर तालियां बटोरी। गायन में संगत कर रहे बाल कलाकार अरमान खान का अंदाज भी लोगों को खूब पसंद आया। उन्होंने संतुलित अंदाज में बखूबी साथ निभाया।

क्लासिकल, फोक और वेस्टर्न

वेस्टर्न म्यूजिक, फोक और क्लासिकल को समिट में एक मंच पर एकाकार होते देखा गया। पूल एरिया में हुए नाइट कॉन्सर्ट में क्लिंटन सेरेजो के बैंड के आठ सदस्यीय दल के साथ बियांका गोम्ज, जसबीर जस्सी, सुनंदा शर्मा और मांगणियार कलाकारों ने ऑडियंस को झुमाया। यहां म्यूजिक की कठिन विधाएं एक साथ प्रस्तुति के रूप में निकलकर आ रही थी। फ्यूजन म्यूजिक का अनूठा उदाहरण यादगार बन गया।

जैज कलेक्टिव

समिट में जैज सिंगर वसुंधरा वी और सैक्सोफोन प्लेयर जॉर्ज बूक्स ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल में रूहानियत भर दी। जैज संगीत के बीच सैक्सोफोन की स्वरलहरियां खास थी। इसके बाद रागाज नाइट में कर्नाटक म्यूजिक के नामचीन कलाकार टीएम कृष्णा ने अपना जादू बिखेरा। आखिर में जाजिम शर्मा और ऐश्वर्या नेगी ने 'याद आती रही रात भर' सेशन में अपनी प्रस्तुतियों का जलवा दिखाया।

Preview
SHOW ....

'द यूफोरिया ऑफ हिम्मत शाह' आज

जयपुर ● नई दिल्ली के किरण नाडर म्यूजियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) के सहयोग से जवाहर कला केन्द्र राजस्थान में पहली बार हिम्मत शाह की कृतियों को प्रदर्शित करने जा रहा है। 'द यूफोरिया ऑफ हिम्मत शाह - अ कंटीन्यूइंग जर्नी अक्रॉस सिक्स डिकेड्स' नामक यह प्रदर्शनी रूबीना करोडे द्वारा क्यूरेट की गई है। जेकेके की म्यूजियम गैलरीज में रविवार को इस एग्जीबिशन का प्रीव्यू होगा, जबकि आमजन इसे 31 अक्टूबर से 15 दिसम्बर तक देख सकेंगे।

यह प्रदर्शनी कलाकार की एकांतता एवं प्रेरणास्पद खानाबदोश जीवन का सेलिब्रेशन है। इसमें शाह की बेहतरीन एवं समृद्ध कृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षणों में राजस्थान के प्राकृतिक दृश्यों से प्रेरित चित्र और मूर्तियां भी शामिल हैं। इसमें म्यूजियम के कलेक्शन और कुछ निजी संग्रहों को शामिल करते हुए लगभग 200 कृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। प्रसिद्ध टेराकोटा, कांस्य मूर्तियों एवं चित्रों को के साथ म्यूरल्स, अर्ली ब्रंट पेपर कोलाज और दुर्लभ सिल्वर पेंटिंग्स डिस्प्ले की जाएंगी।

ANCHOR अमेजिंग मूव्स और स्टाइल ने बनाया 'डांसिंग स्टार्स'

पाई की ओर से शनिवार को 'द डांसिंग स्टार्स' ग्रैंड फिनाले में विनर्स ने दी ऐसी लाजवाब परफॉर्मेंस कि दर्शक हो गए दीवाने...

The dancing Stars

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● मंच पर जैसे ही म्यूजिक बजता, उत्साह से लबरेज यंग डांसर्स के चेहरों की रौनक बढ़ जाती। हर किसी की परफॉर्मेंस में साफ दिखाई दे रहा था कि आज खिताबी मुकाबला है। शानदार म्यूजिक सिन्क्रोनाइजेशन पर एक से बढ़कर एक बेहतरीन मूव्स के जरिए ऑडियंस की तालियां बटोरते यंग पार्टिसिपेंट्स ने अपनी परफॉर्मेंस के जरिए शनिवार को गुलाबी शहर को पूरी तरह एनर्जेटिक बना दिया। मौका था, पाई की ओर से महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित 'द डांसिंग स्टार्स' का। शाम चार बजे शुरू हुए इस डांस मुकाबले का आगाज सोलो क्लासिकल परफॉर्मेंस से हुआ। इस दौरान पार्टिसिपेंट्स ने तकनीकी और भाव, दोनों पक्ष का बेहतरीन तालमेल पेश कर ऑडियंस का दिल जीत लिया। इसके बाद जैसे ही वेस्टर्न और फोक डांस परफॉर्मेंस का दौर शुरू हुआ, इसमें हर कोई प्रतिभागियों के साथ झूमता नजर आया। समारोह में जहां डांसर्स ने ऑडियंस में जोश और जुनून पैदा किया, वहीं कई परफॉर्मेंस उन्हें गुदगुदाती भी नजर आईं। समारोह में 'नींबूड़ा', 'धरती धोरां री', 'पधारो म्हारे देश' जैसे गीतों से जहां राजस्थानी संस्कृति साकार हुई, वहीं पंजाबी, महाराष्ट्रियन संस्कृति का जादू भी ऑडियंस और पार्टिसिपेंट्स के सिर चढ़ कर बोला।

ये रहे जज

क्लासिकल में संगीता सिंघल, मनीषा गुलयानी, श्वेता गर्ग और इंडियन फोक में शालिनी भार्गव व संगीता सिंघल जज थीं। वेस्टर्न में किशन सिंह, विक्की मुद्गल, सुरेश पुरोहित, राकेश भंडारी, पंकज राव और भावना मक्कड़ रहे।

डिफरेंट कैटेगरी में ये बने विनर्स

लगातार बेहतरीन परफॉर्मेंस के आगोश में बंधी ऑडियंस के लिए सामने आखिरकार फैसले की घड़ी भी आ गई। सोलो क्लासिकल में जयपुर की अनुकृति कुमावत विनर घोषित हुई, वहीं हर्षिता शर्मा फर्स्ट और रिजवाना बानो तथा कर्णिका गोयल सेकंड रनरअप रही। सोलो वेस्टर्न में जोधपुर के सुमित वर्मा विनर, जयपुर के नमन गुप्ता फर्स्ट और उदयपुर की तनिशा मीना सेकंड रनरअप थी। ग्रुप क्लासिकल में जयपुर के अनुकृति एंड ग्रुप विनर, कथक आश्रम उदयपुर फर्स्ट और मस्तानी ग्रुप जयपुर सेकंड रहा। ग्रुप फोक में जयपुर का भांगड़ा फ्रीक विनर, फर्स्ट रनरअप श्रीगंगानगर का अनिमा डांस ग्रुप और सेकंड रनरअप कमल व जयपुर का रुनझुन रहा। ग्रुप वेस्टर्न में जोधपुर का अरबन ग्रुप विनर, अलवर का फॉरएवर फर्स्ट और जोधपुर का रॉकस्टार सेकंड रनरअप रहा। मैजिशियन जीतेन्द्र सिंह की परफॉर्मेंस का अट्रैक्शन रहा। *देखें पेज 28*